

\*ॐ\*

~~~~~

**विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय ।**

**कक्षा-नवम्**

**विषय- हिन्दी**

**दिनांक-06-01-2021**

**प्रेमचंद के फटे जूते**

**॥ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया ॥**

**मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!**

**आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!**

**एन सी इ आर टी पर आधारित**

**प्रश्नोत्तर**

प्रश्न 7:

प्रेमचंद के फटे जूते को आधार बनाकर परसाई जी ने यह व्यंग्य लिखा है। आप भी किसी व्यक्ति की पोशाक को आधार बनाकर एक व्यंग्य लिखिए।

उत्तर:

महावीर प्रसाद द्विवेदी एक प्रसिद्ध रचनाकार हैं। जीवन भर इन्होंने सरस्वती की उपासना की। इसी कारण लक्ष्मी इनसे रुठी रही। अरे भाई! अगर थोड़ी सी पूजा लक्ष्मी जी की भी कर देते तो क्या सरस्वती रुष्ट हो जाती। आपके अन्य मित्रों ने तो सफलता की सीढ़ी पार कर ली परन्तु इस दौर में आप थोड़े पीछे रह गए। अगर थोड़ा मन लगाकर चलते तो अकेले नहीं रह जाते।

प्रश्न 8:

आपकी दृष्टि में वेश-भूषा के प्रति लोगों की सोच में आज क्या परिवर्तन आया है?

उत्तर:

पहले वेश-भूषा का प्रयोग शरीर ढकने के उद्देश्य से किया जाता था। परिवर्तन समाज का नियम है। इसलिए समय के बदलते रूप ने वेश-भूषा की परिभाषा को बदल दिया है। आज की स्थिति ऐसी हो गई है कि लोग फैशन के लिए इसका प्रयोग कर रहे हैं और समय के परिवर्तन के साथ अगर कोई स्वयं को न बदले तो समाज में उसकी प्रतिष्ठा नहीं बनती। स्वयं को समाज में प्रतिष्ठित करने के लिए लोग अपनी आर्थिक क्षमता से बाहर जाकर वेश-भूषा का चुनाव करते हैं। आज वेश-भूषा केवल व्यक्ति की ज़रूरत न होकर उसके व्यक्तित्व का एक अभिन्न अंग बन चुका है।

प्रश्न 9:

पाठ में आए मुहावरे छाँटिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

उत्तर:

- (1) अँगुली का इशारा - (कुछ बताने की कोशिश) मैं तुम्हारी अँगुली का इशारा खूब समझता हूँ।
- (2) व्यंग्य-मुस्कान - (मज़ाक उड़ाना) तुम अपनी व्यंग्य भरी मुस्कान से मेरी तरफ़ मत देखो।
- (3) बाजू से निकलना - (कठिनाईयों का सामना न करना) इस कठिन परिस्थिति में तुमने मेरा साथ छोड़कर बाजू से निकलना सही समझा।
- (4) रास्ते पर खड़ा होना - (बाधा पड़ना) तुम मेरी सफलता के रास्ते पर खड़े हो।

प्रश्न 10:

प्रेमचंद के व्यक्तित्व को उभारने के लिए लेखक ने जिन विशेषणों का उपयोग किया है उनकी सूची बनाइए।

उत्तर:

लेखक ने प्रेमचंद की विशेषताओं को प्रस्तुत करने के लिए कुछ शब्दों का प्रयोग किया है। वे इस प्रकार हैं -

(1) महान कथाकार

(2) उपन्यास-सम्राट

(3) युग-प्रवर्तक

धन्यवाद

कुमारी पिंगी 'कुसुम'

